

जगुआर विमान

चर्चा में क्यों?

नियमति प्रशिक्षण मशिन के दौरान, भारतीय वायु सेना (IAF) का एक जगुआर प्रशिक्षक विमान राजस्थान के चुरू ज़िले में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

प्रमुख बिंदु

जगुआर विमान:

■ पृष्ठभूमि:

- जगुआर एक ब्रिटिश-फ्रांसीसी लड़ाकू विमान है जो मूलतः ब्रिटिश रॉयल एयर फोर्स और फ्रांसीसी एयर फोर्स में तैनात था।
- जगुआर जेट विमानों को वर्ष 1979 में भारतीय वायु सेना (IAF) में शामिल किया गया था।
- हडिस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) ने वर्ष 1981 में लाइसेंस प्राप्त संस्करणों का उत्पादन शुरू किया और वर्ष 2008 तक जारी रखा।
- भारत ने विभिन्न कॉन्फिगरेशन में 160 से अधिक जगुआर विमानों को शामिल किया है:
 - जगुआर IS (एकल-सीट स्ट्राइक फाइटर)
 - जगुआर IB (दो-सीट प्रशिक्षण विमान)
 - जगुआर IM (नौसेना संस्करण)

■ युद्ध इतिहास और वैश्विक संचालक:

- जगुआर विमान का मौरितानिया, चाड, इराक, बोस्निया, पाकिस्तान, और हाल ही में भारत के ऑपरेशन सद्दिर जैसे अभियानों में सक्रिय उपयोग हुआ है।
- यह विमान यूके, फ्रांस और भारत के लिये 222222 222222 222222 222222 222222 के रूप में भी कार्य कर चुका है।
- वर्षों से फ्रांस, ब्रिटन, ओमान, इक्वाडोर, नाइजीरिया और भारत जैसे देशों ने इस विमान का संचालन किया है।

■ इसी तरह की भारतीय वायुसेना दुर्घटनाएँ:

- नवंबर 2024 से अप्रैल 2025 के बीच, वायुसेना ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा और गुजरात में प्रशिक्षण मशिनों के दौरान चार विमान दुर्घटनाओं की रिपोर्ट दी।
- इन दुर्घटनाओं में MiG-29, मरिज 2000 और जगुआर जैसे विमानों की तकनीकी खराबी प्रमुख कारण रही।

■ विमान सुरक्षा पर बढ़ती चिंताएँ:

- भारतीय वायुसेना के विमानों के हाल ही में हुए दुर्घटनाओं की शृंखला परचालन विमानों में बार-बार होने वाली तकनीकी समस्याओं का संकेत देती है।
- अधिकांश दुर्घटनाएँ मिग-29 और जगुआर जैसे पुराने प्लेटफार्मों से संबंधित थीं, जिससे बड़े के आधुनिकीकरण और रखरखाव प्रोटोकॉल पर चिंताएँ बढ़ गईं।
- भारतीय वायुसेना ने प्रत्येक मामले में जाँच शुरू कर दी है, लेकिन ऐसी घटनाओं की आवृत्ति गहन प्रणालीगत मूल्यांकन की आवश्यकता की ओर इशारा करती है।